http://amritkalashtimes.com

# अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 109

प्रयागराज शनिवार 04 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

## वेद और सनातनी ग्रंथों को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाने का आह्वान किया धनखड़ ने

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह बर्खास्तगी अक्सर विकृत औपनिवेशिक मानसिकता और हमारी बौद्धिक विरासत की अक्षम समझ से उत्पन्न होती है। कैसी त्रासदी है! क्या मजाक है! वैश्विक अनुशासन वेदांत दर्शन, हमारे प्राचीन ज्ञान को अपना रहे हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को इस बात पर अफसोस जताया कि भारत में सनातन और हिंदू का संदर्भ गुमराह लोगों की ओर से चौंकाने वाली प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग शब्दों की गहराई और उनके गहरे अर्थ को समझे बिना इन शब्दों पर प्रतिक्रिया करते हैं, वे खतरनाक पारिस्थितिकी तंत्र से प्रेरित गुमराह आत्माएं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ही देश में, अध्यात्म की इस भूमि में, कुछ लोग वेदांत और सनातनी ग्रंथों को प्रतिगामी कहकर खारिज करते हैं। वे ऐसा उन्हें जाने बिना करते हैं, यहाँ तक कि उन्हें शारीरिक रूप से देखे बिना भी, उनसे गुजरना तो दूर की बात है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह बर्खास्तगी अक्सर विकृत औपनिवेशिक मानसिकता और हमारी बौद्धिक विरासत की अक्षम समझ से उत्पन्न होती है। कैसी त्रासदी है! क्या मजाक है! वैश्विक अनुशासन वेदांत दर्शन, हमारे प्राचीन ज्ञान को अपना रहे हैं। वे हमारी सोने की खदान में दोहन कर रहे हैं। जब हमने कोविड का सामना किया, तो अथर्ववेद का बोलबाला था क्योंकि यह स्वास्थ्य पर विश्वकोश है। उन्होंने आगे कहा कि विडंबना और पीड़ादायक बात यह है कि इस देश में, सनातन या हिंदू धर्म का कोई भी संदर्भ अक्सर समझ से परे चौंकाने वाली प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करता है। उनके गहन अर्थ में गहराई से जाने के बजाय, लोग आवेगपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया करते हैं, जैसे कि बिना सोचे-समझे। क्या अज्ञानता अधिक चरम सीमा तक पहुँच सकती है? क्या उनकी गलतियों की व्यापकता की भरपाई की जा सकती है?

### प्रधानमंत्री मोदी ने आप सरकार पर बोला हमला

## 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी 'आप-दा' से घिरी

● पीएम बोले- दिल्ली में आपदा सरकार, ये कट्टर बेईमान लोग: मैं भी शीश महल बनवा सकता था, लेकिन गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनवाए

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (3 जनवरी) दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और कहा कि मैंने 4 करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपनों को पूरा किया और अपने लिए कभी घर नहीं बनाया। उन्होंन तंज भरे लहजे में कहा कि चाहता तो श्शीश महलश मैं भी बनवा सकता था। दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और शहर के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए, पीएम ने सत्तारूढ़ पार्टी को आपदा करार दिया। दिल्ली में झुग्गीवासियों के लिए आवास परियोजना की शुरुआत करते हुए पीएम ने कहा, श्मैं शीशमहल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए मेरा सपना था कि मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले।श आप पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने शराब घोटाला, स्कूल घोटाला और प्रदूषण घोटाला किया है। वे खुलेआम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और इसे प्रचारित भी कर रहे हैं। यह दिल्ली के लिए एक आपदा है, और निवासियों ने इस आपदा के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली श्आयुष्मान भारतश योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे।

## मनमोहन की याद में रखे अखंड पाठ में शामिल हुए सोनियाः खरगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की स्मृति में उनके आवास पर अखंड पाठ रखा गया जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी सहित कई प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया और डॉ सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ सिंह के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्री खरगे और श्रीमती गांधी के अलावा पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी ने डॉ सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी यादें हमेशा सबके दिल में रहेंगी और उनकी सादगी, सरलता और आदर्श सदैव प्रेरित करते रहेंगे। गौरतलब है कि डॉ सिंह का पिछले माह 26 दिसंबर को निधन हो गया था और 28 दिसंबर को उनका निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

## पेपर लीक के खिलाफ छात्रों की आवाज दबा रही है सरकार-राहुल गांधी

● युवाओं का एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही भाजपा, भविष्य मिटाने में जुटी, राहुल गांधी का हमला

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उन्होंने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है। वो भी तब जब मुख्यमंत्री ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रोजगार और युवाओं के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी घेरा। उन्होंने कहा, श्भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है।श श्सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्यायश राहुल ने श्एक्सश पर लिखा कि सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और जब युवा न्याय मांगते हैं तब उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है। श्युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगेश उन्होंने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है। वो भी तब जब मुख्यमंत्री ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। भाजपा की सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। भाजपा को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे।जीएसटी संग्रह साढ़े तीन साल में दूसरी बार सबसे धीमी गति से बढ़ा उन्होंने कहा, श्पिछले साल दिसंबर के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले महीने जीएसटी संग्रह साढ़े तीन साल में दूसरी बार सबसे धीमी गति से बढ़ा है। रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह घटकर 3.3 प्रतिशत रह गया है, जो वित्त वर्ष 2025 में सबसे कम है। यह कई मोर्चों को लेकर गंभीर खबर है। सबसे पहले, मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में सरकार ने जीएसटी संग्रह में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जबकि बजट अनुमान में 11 प्रतिशत की वृद्धि की बात थी।

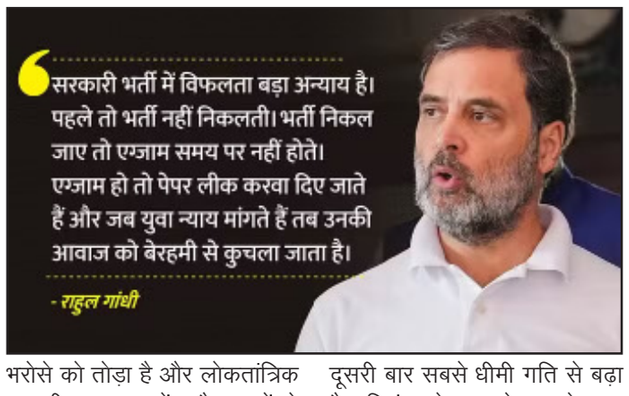


## पीएम मोदी अजमेर दरगाह पर चादर भेजने की परंपरा जारी रखें: उमर

श्रीनगर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी अजमेर दरगाह पर चादर भेजने की परंपरा जारी रखेंगे और धर्म को राजनीति से अलग रखने की जरूरत पर जोर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ हलकों के दबाव में नहीं आएंगे और अजमेर दरगाह पर चादर भेजने की वार्षिक परंपरा जारी रखेंगे। कहा कि धर्म को सियासत से अलग रखा जाना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता। धर्म के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं, राजनीति की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजमेर दरगाह के साथ विभिन्न धर्मों के लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। सीएम ने कहा कि यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कोशिश करने वालों पर रोक लगा दी है। जब कोर्ट कोई समग्र निर्णय लेगा, तो वह सभी के लिए बाध्यकारी होगा। उन्होंने कहा, मैं सुबह अपनी अलमारी यह सोचकर नहीं खोलता कि मैं उस दिन क्या पहनूंगा या कोई संदेश भेजने के उद्देश्य से पहनूंगा। मैं सोजनी टोपी पहनता हूं, क्योंकि यह मेरी विरासत का हिस्सा है। मैंने जम्मू में पगड़ी पहनी, क्योंकि मैं सभी संस्कृतियों का सम्मान करता हूं। इससे मेरा विश्वास कमजोर नहीं होता है। कहा, सरकार को धर्मनिरपेक्ष छवि पेश करने के लिए कुछ भी करने की जरूरी नहीं है। कश्मीर घाटी के लोग जब भी जरूरत पड़ती है, आगे आते हैं। हाल ही में हुई बर्फबारी के दौरान, हमने यह देखा है। लोगों ने पर्यटकों के लिए अपने घर और मस्जिद खोल दिए।

## तीन नई ट्रेनों को शुरूआत और एक नया रोड ओवर ब्रिज राष्ट्र को समर्पित

### नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी का उद्घाटन नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू कोकराझार में आकाशवाणी के नए एफएम रेडियो सेंटर का उद्घाटन।

मालीगांव। रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप शुक्रवार को गुवाहाटी से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन यार्ड पर निर्मित एक नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) राष्ट्र को समर्पित किया गया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर असम राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, भारत सरकार केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और माननीय विदेश मामले और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा की उपस्थिति के अलावा अन्य दूसरे स्थानों पर सांसदध विधायकगण उपस्थित थे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक अरुण कुमार चौधरी के साथ मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय सांसदध विधायकगण और अन्य विशिष्ट व्यक्ति भी उक्त कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय मंत्रियों की उपस्थिति में नाइलिट और टाटा

इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख संस्थान है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक विशिष्ट श्रेणी के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है। रोपर में मुख्य कैंपस के साथ-साथ अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालिकट, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, गोरखपुर, पटना और श्रीनगर में इसकी 11 सह इकाइयां हैं। नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने को तैयार है। यह उभरती डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण, साइबर सिक्यूरिटी एवं फॉरेंसिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कोर्स की सुविधा प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम उद्योग के साथ और उद्योग के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि कार्यबल उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल हासिल करेगा। शुरू की गई इन ट्रेनों में ट्रेन संख्या 55818ध55817 (गुवाहाटी दृ न्यू बंगाईगांव दृ गुवाहाटी) दैनिक पैसेंजर, ट्रेन संख्या 15911ध15912 (तिनसुकिया दृ नाहरलगुन दृ तिनसुकिया) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12047ध12048 (गुवाहाटी दृ उत्तर लखिमपुर दृ गुवाहाटी) द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। इस समारोह के दौरान माननीय रेल मंत्री ने कहा कि इन सेवाओं से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने और असम तथा पड़ोसी क्षेत्रों में यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों में सुधार होने की उम्मीद है। आकाशवाणी कोकराझार में एक नए एफएम ट्रांसमीटर का भी उद्घाटन किया गया। इससे ध्बुड़ी, बंगाईगांव और चिरांग जिलों सहित क्षेत्र के 30 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे उन्हें स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण तक की सेवा का लाभ मिलेगा। रेल मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचनात्मक विकास कार्य के लिए बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है।

## पप्पू यादव के समर्थकों ने बिहार के इन जिलों में किया चक्का जाम

● नीतीश सरकार के खिलाफ कर रहे नारेबाजी

पटना,(एजेंसी)। पटना, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सासाराम, सुपौल, किशनगंज, गया, औरंगाबाद, मुजफ्फरपुर, समेत कई जिलों में पप्पू यादव के समर्थक प्रदर्शन कर रहे। सभी जगह बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करने की मांग हो रही है। पटना के जेपी गोलंबर के पास प्रदर्शन जेपी गोलंबर पर छात्रों संगठनों को समर्थन देने आये वामदल और कांग्रेस के विधायकों ने कहा कि नीतीश सरकर न्याय करे। वह बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं कर सकती है। इसलिए जल्द से जल्द बीपीएससी की परीक्षा को रद्द करे और दुबारा परीक्षा ले। सरकार जब तक हमारी मांग नहीं मानेगी तब तक यह प्रदर्शन जारी रहेगा। इधर, प्रदर्शन को देखते हुए जेपी गोलंबर और डाक बंगला चौराहा पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। वाटर कैनन को भी खड़ा कर दिया गया है। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश कर रही है। पटना के कारगिल चौक पर इंडिया अलायंस के छात्र संगठन (NSUI, AISA, AISF और RJD) जमा हुए और नीतीश सरकार के विरोध में नारे लगाये। कुछ धीरे यह सभी लोग सीएम हाउस घेराव करने के लिए आगे बढ़ते लेकिन जेपी गोलंबर पर पटना पुलिस ने इनलोगों को रोक दिया। इसके बाद यह प्रदर्शन करने लगे। कुछ प्रदर्शन बैरिकेडिंग तोड़ने का भी प्रयास करने लगे लेकिन पुलिस ने इन्हें रोक दिया। जेपी गोलंबर पर प्रदर्शन के कारण वाहनों चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस इलाके में जाम की स्थिति बन गई है। मुजफ्फरपुर में सांसद पप्पू यादव के समर्थक NH 28 के बीच सड़क पर बैठ गए। इसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने समझा-बुझाकर एक लेन से हटाया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार विरोधी नारे लगाए। इनका कहना है नीतीश सरकार जल्द ही परीक्षा को रद्द करायें। सांसद पप्पू यादव द्वारा राज्य भर में एनएच-एसएच और रेल चक्का जाम करने के राज्यव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को औरंगाबाद में छात्र-युवा शक्ति के बैनर तले पप्पू समर्थक सड़क पर उतरे। समर्थकों ने एनएच-19 को कामा बिगहा के पास जाम कर दिया। इसके बाद सभी सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होने 70वीं बीपीएससी की पुर्न परीक्षा की मांग की। उनके सड़क पर धरना पर बैठ जाने से एनएच पर वाहनों की जाम लग गई है।

# सम्पादकीय

## भावनात्मक अतिरेक का शिकार बनता देश

यूं तो कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब हमारे देश में धार्मिक विद्वेष और घृणा का कोई मामला सामने न आता हो। पूरे साल भर अल्पसंख्यकों – खास तौर से मुसलमानों के खिलाफ एक अभियान सा चलता रहता है लेकिन साल खत्म होते–होते नफरती जमात का रुख ईसाई समुदाय की तरफ हो जाता है। इस समुदाय के त्यौहार वैसे ही गिने–चुने होते हैं, फिर भी हर मुमकिन कोशिश की जाती है कि वह उन्हें शांति से न मना पाये। क्रिसमस के आसपास ऐसी कोशिशें बहुत खुलकर और तेज होती दिखाई देती हैं। हाल ही में पलक्कड़ में एक स्कूल में बच्चों को क्रिसमस मनाने से रोका गया और शिक्षकों के साथ बदसलूकी की गई। अहमदाबाद के एक स्कूल में क्रिसमस ट्री समेत त्योहार की सारी साज–सज्जा हटवा दी गई। आगरा में सांता क्लॉज मुर्दाबाद के नारे लगाये गये और उसका पुतला जलाया गया। गुजरात में सांता क्लॉज की पोशाक पहनकर लोगों को उपहार बांट रहे शख्स को यह कहकर पीटा गया कि यह हिन्दुओं का इलाका है, यहां ये सब नहीं चलेगा। इंदौर में एक डिलीवरी बॉय की सांता क्लॉज की पोशाक उतरवा ली गई। उससे कहा गया कि जब हिन्दू त्योहारों पर तुम किसी देवी–देवता जैसी पोशाक नहीं पहनते हो तो क्रिसमस पर क्यों। लखनऊ में भीड़ ने चर्च के सामने हरे रामा–हरे कृष्णा गाते हुए उछल–कूद की। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वे तमाम तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिनमें वे पादरियों के बीच खड़े हुए हैं या जीसस के शिशु प्रतिरूप के सामने सर नवा रहे हैं। जाहिर है कि ये तस्वीरें अपने आप नहीं आई होंगी। हमेशा की तरह एक बड़ी कैमरा टीम प्रधानमंत्री के साथ रही होगी, जिसने अलग–अलग कोण से उनकी तस्वीरें ली होंगी। उन्होंने एक्स पर क्रिसमस की शुभकामनाओं का सन्देश भी प्रसारित किया, जिसमें उन्होंने कहा कि श्प्रभु ईसा मसीह की शिक्षाएं सभी को शांति और समृद्धि का मार्ग दिखाएं। उनसे पूछा जाना चाहिए कि इस श्समभीश में धर्म के नाम पर बवाल खड़ा करने वाले उनके भक्त भी शामिल हैं या नहीं या फिर ये श्हाथी के दांतश वाला मामला है! जानकारों का मानना है कि पश्चिमी देशों को दिखाने के लिए ऐसे प्रपंच रचे जाते हैं। लेकिन पश्चिमी देश इतने मासूम तो नहीं कि इस दिखावे की हकीकत न समझते हों। अगर ऐसा होता तो वे अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत की आलोचना नहीं करते और न ही भारत को शर्मिन्दा होना पड़ता। ऐसी आलोचनाओं का जवाब देने की भी उसे जरूरत होती। जो देश लोकतंत्र की जननी और दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति होने जैसे दावे करता है, उस पर दुनिया की नजरें बनी ही रहती हैं। अभी–अभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया डॉ. मोहन भागवत ने भी ये कहा कि श्हर मस्जिद के नीचे मंदिर की तलाश बंद होनी चाहियेश काश, वे यह भी कहते कि दूसरे धर्मों के आराधना स्थलों और शिक्षा संस्थानों पर आये दिन किया जाने वाला हुड़दंग बंद होना चाहिये। हिंदुत्व के नाम पर उपद्रव करने वालों को ये अहसास नहीं है कि करोड़ों भारतीय – जिनमें ज्यादातर हिन्दू ही हैं, पढ़ाई, रोजगार या फिर कारोबार के लिये विदेशों में रह रहे हैं, उन पर ऐसी बेजा हरकतों का क्या असर हो सकता है। बांग्लादेश का ताजा उदाहरण हमारे सामने है, जहां हिन्दुओं पर अत्याचार को लेकर काफी शोर मचाया गया, विरोध प्रदर्शन किया गया। इस सबके बावजूद मोदी सरकार चुप रही क्योंकि वह अपना नैतिक अधिकार खो चुकी है। बांग्लादेश में इस्कॉन पर हुए हमलों पर भी आक्रोश जताया गया, लेकिन इसी संस्था से जुड़े लोग अपने ही देश में चर्च के सामने बेहूदगी दिखा रहे हैं। क्या यह माना जाये कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उसकी कुंठा भारत में इस तरह निकाली जा रही है? एक राष्ट्र और समाज के तौर पर दुनिया में हमारी छवि कैसी बन रही है, इस बात से बेपरवाह धार्म के ठेकेदार देश के भीतर गृह युद्ध की नौबत लाने पर उतारू हैं। हालांकि इस बार क्रिसमस पर कुछ मजेदार चीजें भी देखने को मिलीं जैसे जिंगल बेल...जिंगल बेल...को कहीं कव्वाली और कहीं पंजाबी रैप की शैली में गाया जाना, कहीं गायत्री मंत्र तो कहीं ओम जय जगदीश हरे की तर्ज पर जिंगल बेल गाकर सांता बने बच्चे की आरती उतारना। आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस के जरिये दुनिया की मशहूर हस्तियों को त्योहारी वेशभूषा में एक–दूसरे के साथ बैठे हुए बताना, या फिर भारत के नेताओं को अपनी भाषा,अपनी शैली में कैरोल गाते हुए दिखाना। इतना ही नहीं, भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप यानी लड्डू गोपाल का भी सांता क्लॉज जैसा श्रृंगार करना। गनीमत है कि इन चीजों से भावनाएं आहत होने की कोई खबर अब तक नहीं आई है। दरअसल, त्योहार होते ही इसलिए हैं कि इंसान अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से कुछ राहत पाये, आनंद और उल्लास का अनुभव करे और खुशियां बांटे। ईद हो या बैसाखी, दीवाली हो या क्रिसमस – सारे त्योहार मिलजुल कर ही मनाने की हमारी रवायत रही है। लेकिन अब लगभग हर त्योहार पर सामूहिक मूर्खता और पागलपन के नजारे देखने को मिलते हैं। सरदार पटेल ने कहा था कि श्हिन्दू राज एक पागलपन से भरा खयाल है और ये हिन्दुस्तान की आत्मा को खत्म कर देगा। डॉ. अम्बेडकर ने भी धर्म आधारित राष्ट्र की मांग पर कहा था, कि श्अगर हिंदू राष्ट्र बन जाता है तो बेशक इस देश के लिए एक भारी खतरा उत्पन्न हो जायेगा। हिन्दू कुछ भी कहें, पर हिन्दुत्व स्वतंत्रता, बराबरी और भाईचारे के लिए एक खतरा है। वह लोकतंत्र के लिये अनुपयुक्त है। हिन्दू राज को हर कीमत पर रोका जाना चाहिये। पटेल और अम्बेडकर – दोनों के ये कथन आज सच होते नजर आ रहे हैं। अनेकता में एकता और गंगा–जमुनी तहजीब जैसी हमारी विशेषताएं दफन होने को हैं और इनके लिये आवाज उठाने वाले मानो तलवारों की जद में हैं। हमारे संविधान द्वारा हमें दी गई धार्मिक स्वतंत्रता की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन संविधान को अपना एकमात्र धर्मग्रंथ बताने वाले चुप हैं। कितना दुखद है ये देखना कि जो देश सदियों से अपने मूल्यों और सिद्धांतों के लिये जाना जाता रहा है।

# नेहरू को छोटा करने की नहीं, उनके काम से होड़ करने की जरूरत

भूपेन्द्र गुप्ता

देश में आज विकास को लेकर नए–नए नरेटिव गढने के अलावा इतिहास के पन्नों को कलंकित करने का चलन चल पड़ा है ।संगठित रूप से आजादी के बाद की सरकारों के कामकाज और योगदान को नीचा दिखाने की आक्रामक कोशिशें हो रहीध हैं। नई पीढ़ी में शोध के अभाव को देखकर उसे बरगलाने की चेष्टा की जा रही है।देश को उसके सही स्वरूप में पहचान कर देश के विकास की यात्रा की समझ और विकास की कल्पना को चोट पहुंचाई जा रही है ।जिससे वास्तविक इतिहास को जानने से ही रोका जा सके । देश के नेताओं को सुविधानुसार मिस कोट किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में केन –बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के दौरान ऐसी ही बातें रखी गई जिससे महसूस हो कि जवाहरलाल नेहरू के समय से ही विकास की योजनाओं की उपेक्षा की गई । यहां तक कहा गया कि देश में बड़े–बड़े बांध बनाने और जल संरक्षण को समझने का काम देश में अन्य लोगों ने किया है।जल संसाधनों के संदर्भ में प्रधानमंत्री जी ने घुमाकर यह भी बताया कि जलशक्ति को मजबूत करने के दूसरे नेताओं के प्रयासों को जवाहरलाल नेहरू के नाम पर चिपका दिया गया ।क्या इस तरह का नेरेटिव बनाया जाना उचित है ।क्या यह सत्य है या महज नेहरू जी को नीचा दिखाने और संसद में बाबासाहब का उपहास करने से पैदा हुए संकट से निकलने के लिये भाजपा की रणनीति है। इसे समझने के लिए बेहतर होगा कि हम देश में जल संरचनाओं के इतिहास को जानें और समझें। सभी जानते हैं कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की मृत्यु 1956 में हो गई थी और वह नेहरू जी के मंत्रिमंडल में कानून मंत्री थे उनकी पूरी शक्ति संविधान की ड्राफ्टिंग, संविधान सभा के सभी सदस्यों के योगदान का संकलन कर संविधान को उसका स्वरूप देना था। न कि बांध बनवाना। तब भाजपा 2024 में बनने वाले दुहान बांध के बहाने युग पुरुषों को लड़वाने का नया काम क्यों शुरू कर रही है।

भारत में नदियों को बांधने का इतिहास बहुत पुराना है।देश का सबसे पुराना बांध तमिलनाडु की कावेरी नदी पर बनाया गया था ।जिसे कल्लणै

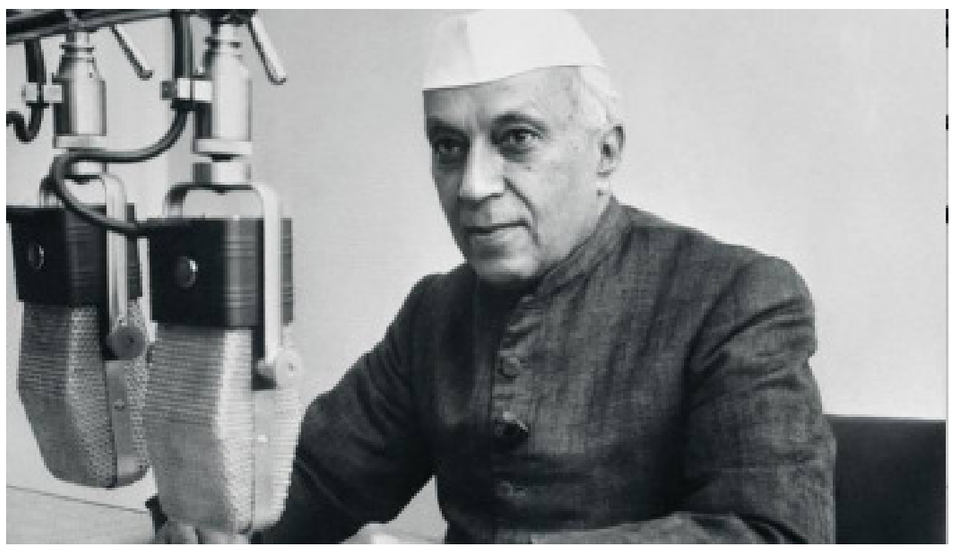

बांध कहते हैं।इसे 150 ईश्वी से 100 ईश्वी के बीच में चोल राजा करिकल ने बनवाया था। इसका अर्थ है कि नदियों को बांधने और जल संरचनाओं को बचाने तथा संरक्षित करने के लिए भारत में बांध बनाने की तकनीकी और संकल्प शक्ति हजारों साल पहले ही आ चुकी थी । आजादी के पहले भी मैसूर के राजा कृष्णा वाडियार ने कृष्ण राजा सागर बांध का 1911 में निर्माण शुरू किया था जिसे 1932 में मैसूर की जनता को समर्पित किया गया। इसके बाद ही आजादी के बाद बने बांधों का सिलसिला शुरू होता है ।आजादी के प्रथम वर्ष में भारत का कुल बजट मात्र 184 करोड़ रुपए था और पूरे देश में भुखमरी की स्थिति थी ।1943 में ही बंगाल के दुर्भिक्ष में 30 लाख लोग भूख से अपनी जान गँवा चुके थे। भुखमरी के इन हालातों में देश को आजादी मिली थी । यह स्पष्ट था कि खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाये बिना हम अपने लोगों का पेट नहीं भर सकते। उसके लिए सिंचाई चाहिए, नदियों पर बांध चाहिए किंतु हमारे पास धन भी नहीं था। ऐसे हालातों में भी 1947 में ही जवाहरलाल नेहरू ने उड़ीसा की महानदी पर हीराकुंड बांध की शुरुआत की, जिसे 1957 में देश को समर्पित किया गया ।इस बांध से 47 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 347 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ ।इसके तत्काल बाद 1948 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तमिलनाडु में भवानी सागर बांध का शिलान्यास किया जो 1955 में पूरा हुआ। यह एक अर्दन डेम था जिसके माध्यम से 16 मेगावाट बिजली भी पैदा की जानी थी ।इसी तरह पंजाब में सतलज नदी पर 1948 में ही भाखड़ा नंगल बांध की नींव डाली गई ।यह उस समय तक का सबसे बड़ा बांध था जिसमें 75 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण होना था और 1325 मेगावाट बिजली का उत्पादन होना था ।जब 1963 में यह बांध देश को समर्पित किया गया तो इसके माध्यम से हरित क्रांति का आगाज हुआ।मैक्सिकन लाल गेहूं पर निर्भर भारत की जनता देशी खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी। कर्नाटक की तुंगभद्र नदी पर 1949 में कंपोजिट स्पिल वे डेम का शिलान्यास जवाहरलाल नेहरू ने किया जो 1953 में पूर्ण हुआ ।इससे 127 मेगावाट बिजली का निर्माण होता था । उत्तरप्रदेश में 1953 में रिहंद बांध की शुरुआत की गई जो 1962 में देश को समर्पित किया गया इससे 300 मेगावाट बिजली का निर्माण शुरू हुआ ।तेलंगाना में 1955 में कृष्णा नदी पर नागार्जुन सागर बांध की शुरुआत हुई जिसे 1967 में देश को समर्पित किया गया इस बांध से न केवल 93.72 लाख एकड़ फुट पानी सिंचाई के लिए मिला बल्कि 816 मेगावाट बिजली का भी उत्पादन हुआ । इसी तरह महाराष्ट्र की कोयना नदी पर 1956 में जवाहरलाल नेहरू ने कोयना बांध की शुरुआत की जिसे 1964 में देश को समर्पित किया गया। इस बांध से 24 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 1960 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ। आज के झारखंड में 1957 में मैथोन बांध की शुरुआत की गई यह बांध 60 हजार किलोवाट बिजली का उत्पादन भी करता है ।

मध्य प्रदेश की नर्मदा नदी पर 1956 में ही तवा बांध जो एक स्पिलवे बांध है, का निर्माण शुरू हुआ जो 1974 में देश को समर्पित किया गया ।आज देश में जिस सरदार सरोवर बांध की बार–बार चर्चा होती है उस सरदार सरोवर बांध की आधारशिला भी जवाहरलाल नेहरू ने 1961 में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर रख दी थी जिसके माध्यम से आज मध्य प्रदेश महाराष्ट्र को बिजली और गुजरात को पानी मिल रहा है। तीनों प्रदेश इससे बनने वाली बिजली से रोशन हो रहे हैं। प्रथम प्रधानमंत्री मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दो–दो युद्धों का सामना करने के बावजूद अपने 17 साल के कार्यकाल में उड़ीसा की महानदी,तमिलनाडु की भवानी,कर्नाटक की तुंगभद्रा,उत्तरप्रदेश की रिहन्द,पंजाब की सतलज,मध्यप्रदेश की नर्मदा,महाराष्ट्र की कोयना,झारखंड की बारकार,तेलंगाना की कृष्णा नदियों को बांध दिया था।वे एक मिशनरी की तरह जुनूनी की तरह इस काम में लगे क्या यह आसान काम था?नौ राज्यों की नौ नदियों को बांधकर 17 साल में देश को समर्पित करना भगीरथी कल्प था।नेहरू ने यह काम तब कर दिखाया जब न पोकलेन थी न जेसीबी थी न इतनी उन्नत तकनीकि थी नेहरू के पुरुषार्थ को छोटा करने का कोई भी प्रयत्न देश के पुरुषार्थ को छोटा करने का प्रयत्न है।आज नेहरू को छोटा करने की नहीं उनके काम से होड़ करने की जरूरत है।

# अंडे अहिंसक व शाकाहारी कैसे?

रजनीश कपूर

विज्ञापन जगत ने आम जनता के मन में एक बात बिठा दी है कि अंडे शाकाहारी नहीं हैं। अंडे का उपयोग बढ़ाने के लिए इसे प्रोटीन का बढिया स्रेत बताया जाता है।

प्रोटीन की मात्रा बहुत सारी शाकाहारी चीजों में भी काफी ज्यादा है पर इस विवाद में नहीं भी पड़ा जाए तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है कि अंडा शाकाहारी है। इसलिए शाकाहारियों के लिए अंडे को लोकप्रिय बनाने के लिए किए जाने वाले प्रचार का उल्टा नारा लगाया जा सकता है – श्संडे हो या मंडे, कभी न खाओ अंडेश्। कोई क्या खाए और क्या नहीं इसमें बहुत कुछ आदमी की अपनी पसंद और जीवनशैली के साथ–साथ कई अन्य बातों पर निर्भर करता है। फिर भी आप जो चीज खाते हैं या किसी कारण से नहीं खाते हैं उसके बारे में आपको आवश्यक जानकारी अवश्य होनी चाहिए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 100 ग्राम अंडों में जहां 13 ग्राम प्रोटीन होगा, वहीं पनीर में 24 ग्राम, मूंगफली में 31 ग्राम, दूध से बने कई पदाथरे में तो इससे भी अधिक एवं सोयाबीन में 53 ग्राम प्रोटीन होता है। यही तथ्य कैलोरी के बारे में है। जहां 100 ग्राम अंडों में 173 कैलोरी, मछली में 93 कैलोरी व मुर्गे के गोश्त में 194 कैलोरी प्राप्त होती है, वहीं गेहूं व दालों में 300 कैलोरी, सोयाबीन में 350 कैलोरी व मूंगफली में 550 कैलोरी और मक्खन निकले दूध एवं पनीर से लगभग 350 कैलोरी प्राप्त होती है तो हम यह निर्णय ले सकते हैं कि स्वास्थ्य के लिए क्या चीज जरूरी है? यह स्पष्ट करना भी उचित रहेगा कि अधिक कोलेस्ट्रोल शरीर के लिए लाभदायक नहीं है।

100 ग्राम अंडों में कोलेस्ट्रोल की मात्रा 500 मिलीग्राम है और

मुर्गी के गोश्त में 60 है तो वही कोलेस्ट्रोल सभी प्रकार के अन्न, फलों, सब्जियों आदि में शून्य है। अमेरीका के विविख्यात विशेषज्ञ डॉ. माइकेल कलेपर का कहना है कि अंडे का पीला भाग विश्व में कोलेस्ट्रोल एवं जमी चिकनाई का सबसे बड़ा स्रेत है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्होंने यह भी साबित किया है कि जो व्यक्ति मांस या अंडे खाते हैं उनके शरीर में श्रिस्पटरोंच की संख्या में कमी हो जाती है जिससे रक्त के अन्दर कोलेस्ट्रोल की मात्रा अधिक हो जाती है। इससे हृदय रोग शुरू हो जाता है और गुर्दे के रोग एवं पथरी जैसी बीमारियों को भी बढ़ावा मिलता है। वास्तविकता यह है कि 1962 में यूनीसेफ ने एक पुस्तक प्रकाशित की तथा अंडों को लोकप्रिय बनाने के लिए अनिषेचित (इनफर्टाइल) अंडों को शाकाहारी अंडे (वेजीटेरियन) जैसा मिथ्या नाम देकर भारत के शाकाहारी समाज में भ्रम फैला दिया। 1971 में मिशिगन यूनीर्वसटिी (अमेरिका) के वैज्ञानिक डॉ. फिलिप जे. स्केन्ट ने यह सिद्ध किया किरू अनिषेचित अंडे किसी भी प्रकार से शाकाहारी नहीं होते क्योंकि वे न तो पेड़ों पर उगते हैं और न किसी पौधे पर बल्कि वे सब मुर्गी के पेट में से ही उत्पन्न होते हैं। एक वैज्ञानिक प्रयोग के आधार पर यह देखा गया है कि विद्युत धारा के द्वारा अंडों को आंका जा सकता है। अनिषेचित अंडे में निषेचित अंडे की भांति ही यह विद्युत धारा होती है। यह वैज्ञानिक तथ्य है कि निर्जीव वस्तु में कभी भी विद्युत धारा का अंकन नहीं किया जा सकता। विज्ञान ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी प्राणी के जीवन का आधार मात्र लैंगिक प्रजनन क्रिया ही नहीं है बल्कि अलैंगिक प्रजनन के द्वारा भी जीवन हो सकता है जैसे अमीबा और अनेक एककोशीय प्राणी बिना निषेचन क्रिया के उत्पन्न होते रहते हैं। इसी प्रकार से श्टेस्ट ट्यूब बेबीश्य या उसके द्वारा उत्पन्न प्राणी निर्जीव नहीं गिने जा सकते। सच्चाई यह है कि अंडे दो प्रकार के होते हैं एक वे जिनसे बच्चे निकल सकते हैं तथा दूसरे वे जिनसे बच्चे नहीं निकलते। मुर्गी यदि मुर्गे के संसर्ग में न आए तो भी जवानी में अंडे दे सकती है। इन अंडों की तुलना स्त्री के रजरूस्रव से की जा सकती है। जिस प्रकार स्त्री के मासिक धर्म होता है। उसी तरह मुर्गी के भी यह धर्म अंडों के रूप में होता है। यह अंडा मुर्गी की आंतरिक गंदगी का परिणाम है। मुर्गियां जो अंडे देती हैं वे सब अपनी स्वेच्छा से या स्वभावतया नहीं देतीं! बल्कि उन्हें विशिष्ट हार्मोन्स और एग–फर्मयुलेशन के इंजेक्शन दिए जाते हैं। इन इंजेक्शनों के कारण ही मुर्गियां लगातार अंडे दे पाती हैं। अंडे के बाहर आते ही उसे इन्क्यूबेटर (सेटर) में डाल दिया जाता है ताकि उसमें से 21 दिन की जगह 18 दिनों में ही चूजा बाहर आ जाए।

मुर्गी का बच्चा जैसे ही अंडे से बाहर निकलता है नर तथा मादा बच्चों को अलग–अलग कर लिया जाता है। मादा बच्चों को शीघ्र जवान करने के लिए एक खास प्रकार की खुराक दी जाती है और इन्हें चौबीसों घंटे तेज प्रकाश में रखकर सोने नहीं दिया जाता ताकि ये दिन रात खा–खा कर जल्दी ही रजरूस्रव करने लगें और अंडा देने लायक हो जाएं। अब इन्हें जमीन की जगह तंग पिंजरों में रख दिया जाता है। इन पिंजरों में इतनी अधिक मुर्गियां भर दी जाती हैं कि वे पंख भी नहीं फडफड़ा सकतीं। तंग जगह के कारण आपस में चोंचें मारती हैं, जख्मी होती हैं, गुस्सा करती हैं व कष्ट भोगती हैं। जब मुर्गी अंडा देती है तो अंडा जाली में से किनारे पड़कर अलग हो जाता है और उसे अपनी अंडे सेने की प्राकृतिक भावना से वंचित रखा जाता है।

## भरी गागर थे मनमोहन सिंह, छलकती तो अधजल गगरी है!

मौन को अवगुण कमजोरी की तरह स्थापित किया और इसके सामने बड़बोलेपन को सबसे बड़े गुण की तरह पेश। लेकिन सब तूमार (फेब्रिकेशन) खत्म हो गया। इतना मीडिया, इतना पैसा, पूरी सत्तारुढ़ पार्टी, सरकार सब फेल हो गए। शांति से मौत के आगोश में गए मनमहोन सिंह आखिरी–आखिरी तक कुछ नहीं बोले। मगर उनके जाते ही लोग जिस तरह बोले, मीडिया के मुंह से अनायास सच निकला उसने बता दिया कि झूठा प्रचार कुछ नहीं होता है। किसी सच को हमेशा के लिए दबा कर नहीं रख सकता। काम, शराफत और विद्वता अपने आप बोलते हैं। और फिर झूठ, उपहास, बड़बोलापन उसके सामने बहुत बौने हो जाते हैं। मौन, कम बोलना, केवल आवश्यक बोलना, साधना, विद्वता से अर्जित सबसे विरल गुण होता है। उसे कमजोरी बताया। जो सबसे ताकतवर आन्तरिक शक्ति है उसका उपहास उड़ाया! एक उदाहरण देते हैं। राम का। रामचरित मानस, वाल्मिकी कृत रामायण कहीं ज्यादा बोलते हुए दिखे? कौन था सबसे बड़बोला? सबका उपहास उड़ाने वाला? किसी को कुछ नहीं समझने वाला? नाम बताएं क्या? रावण के अलावा और कौन? महाभारत में सबसे ज्यादा कौन बोलता है? दुर्योधन ही ना! कहीं अर्जुन ज्यादा बोलता दिखा? मगर गजब है हमारा मीडिया। भाजपा की तो ठीक है राजनीति है। और दूसरे की लकीर छोटी करने के अलावा उसके पास कुछ और है भी नहीं। दक्षिणपंथी विचार की यह मजबूरी है। नकारात्मकता से वह निकल ही नहीं पाती है। उसे तो चरित्रहनन करना था। गांधी, नेहरू, आंबेडकर से लेकर मनमोहन सिंह, सबका। मगर मीडिया, देश के दूसरे संस्थान, जनता, बुद्धिजीवी वर्ग सबको क्या हो गया था? 56 इंच की छाती, लाल आंखें करना, एक अकेला सब पर भारी की आत्मश्लाघा को गुण बता रहे थे! और अन्तर्मुखी स्वभाव, नर्म लहजा, शब्दों के उचित चयन को कमजोरी! क्या हुआ? सब भरभरा कर गिर गया। मनमोहन सिंह ने कुछ नहीं किया। 2014 से घर में बैठे थे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए कोई मदद मांगी, बिना किसी को बताए, बिना प्रचार किए दी। इसके बावजूद दी कि उनके कुर्सी से हटते ही उनके घर सीबीआई पहुंचा दी थी। क्या हुआ? क्या मिला? गिरफ्तार करना था उन्हें। लेकिन मनमोहन सिंह पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कोई विद्वेष की भावना नहीं आई। यह बड़प्पन होता है। गुरुता। और इसलिए मीडिया का, भाजपा का, मोदी सरकार का, भक्तों का बांधा हुआ सारा तूमार एक मिनट में खत्म हो गया। मनमोहन सिंह के जाते ही उन्हें दिल से याद करने, आम भारतीयों की जिन्दगी बदलने, हाथ में पैसा देने, हर तरफ काम ही काम के मौके देने के किस्से आम–ओ–खास सबके मुंह से निकलने लगे। अंबानी–अडानी जो मोदी सरकार के खास हैं वे भी नहीं कह पाए कि मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था डुबो दी थी। बोलना था तो इतना ही बड़ा झूठ बोलना था। मीडिया संभाल लेता। मगर हिम्मत नहीं पड़ी। और उनकी क्या जिन प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें देहाती औरत, रेनकोट पहनकर नहाने वाला और यहां तक कि पाकिस्तान से मिलकर मनमोहन सिंह और कुछ कांग्रेसी नेता गुजरात में उनकी सरकार बदलना चाहते हैं जैसे आरोप लगाए उन्हें भी श्रद्धाजंलि देते हुए मनमोहन सिंह के लिए ईमानदार शब्द का उपयोग करना पड़ा। माहौल से बड़ा कोई नहीं होता। मनमोहन सिंह की मौत के बाद अचानक ऐसा माहौल बदला कि कोई उन शब्दों को नहीं बोल सका जो 2004 से जब से वे बने थे उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले तक बोल रहे थे। यह सत्य की बहुत बड़ी विजय है। सबने देख लिया कि सच्चाई को हमेशा छुपाया नहीं जा सकता। पूरी दुनिया में तो मनमोहन सिंह को सम्मान मिलना ही था। वहां तो हमेशा से मिलता रहा। इसके बारे में इतना लिखा गया कि सबको मालूम है। यहां फिर से बताने की जरूरत नहीं। मगर यहां जैसा माहौल बदला वह बताना जरूरी है। हालांकि मोदी सरकार ने अपनी राजनीति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ट्रोल आर्मी, नए भक्त, पुराने भक्त उसको जस्टिफाई करने में लग गए। मगर पहली बार है कि कोई कर नहीं पाया। जनता में सवाल चला गया कि निगम बोध घाट के सार्वजनिक श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री की अन्त्येष्टि क्यों? वैसे तो खुद ही करना था। केन्द्र सरकार का काम होता है। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम क्रिया का। लेकिन इस सरकार को जानते थे सब इसलिए मनमोहन सिंह के परिवार ने और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सरकार से उनकी अन्त्येष्टि राजघाट क्षेत्र में जहां प्रधानमंत्रियों की समाधियां हैं वहां करने की मांग की थी। मगर सरकार ने निगम बोध घाट निर्धारित किया। वहां क्या हुआ। मनमोहन सिंह के शोक में डूबे परिवार के साथ धक्का मुक्की। पूरी तरह अव्यवस्था। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी देश के नाम संदेश देकर उनके कामों की सराहना कर रहे हैं दूसरी तरफ पूर्ण गरिमा के साथ उनके अन्तिम संस्कार की व्यवस्था भी नहीं। अभी भी उनकी लकीर छोटी करने की कोशिश। क्या हो पाएगी? मनमोहन सिंह के एपिसोड ने बता दिया कि जनता का जीवन बदलने और उसे 5 किलो अनाज में फंसाए रखकर वैसे ही गरीबी में और यह भी मिलना खत्म न हो जाए के डर में जिन्दा रखने में बहुत फर्क होता है। मनरेगा दिया। जहां काम के बदले पैसे मिलते थे। गांवों की जिन्दगी बदल गई थी। रोजगार और उसका मुआवजा। यह मुफ्त का अनाज तो देश की श्रम शक्ति को नकारा बना रहा है। मुफ्त अनाज का मतलब है नौकरी नहीं देना। दूसरे किसी रोजगार की व्यवस्था नहीं करना। दस साल पहले देश में काम की कमी नहीं थी। भारत के हर युवा के पास काम था। वह छोटे कम्प्यूटर के कोर्स करके और दूसरे तकनीकी काम सीखकर विदेश जा रहे थे। पढ़े–लिखे प्रोफेशनल तो नेहरू के समय से अमेरिका, यूरोप और इंग्लैंड जाने लगे थे। मगर 2004 के बाद इन देशों सहित खाड़ी देशों में भारत की वर्क फोर्स की मांग बहुत बढ़ गई थी। अभी जब प्रधानमंत्री मोदी कुवैत में थे तो इसी वर्क फोर्स का जिक्र कर रहे थे कि हमारे पास है। मगर यह नहीं बता रहे थे कि पहले की तैयार की हुई। उनके शासन काल में कोई नए काम करने वाले प्रशिक्षित युवा तैयार नहीं हुए। मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी ताकत क्या है? यह कि उनके बारे में बताने में, उनके काम गिनाने की जरूरत नहीं। सब जनता को मालूम है। क्यों? क्योंकि उन कामों ने उसकी जिन्दगी बदली। नया मध्यम वर्ग बना। यह बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक निर्माण की क्रान्ति देखते हैं। रहने के लिए मकान, मॉल, बाजारों का विस्तार यह सब उसी समय का है। लोगों के पास पैसा आ रहा था वह खर्च कर रहे थे। आज मॉल, बाजार क्या पहले की तरह गुलजार हैं? लोगों को अपने आप समझ में आ रहा है। और यही उस मौन की सबसे बड़ी ताकत थी। थोथा चना बाजे घना! गांव–गांव की जानी पहचानी कहावत है। मगर अर्थ अचानक खुलते हैं और आज वह खुल गए। भरी गगरी क्यों छलकेगी? भरी गागर थे मनमोहन सिंह। कभी–कभी मौत फैसला करती है।

# 6जी और रक्षा पर भी होंगे शोध, 10 युवा वैज्ञानिकों की होगी भर्ती, सरकार व एजेंसियों से मिले प्रोजेक्ट

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में शोध को गति देने के लिए 10 से ज्यादा युवा वैज्ञानिकों की भर्ती होगी। इनकी मदद से रक्षा, हेल्थकेयर वेस्ट, 6जी, मिट्टी की जांच, पहाड़ों पर ब्लास्ट के प्रभाव का देशव्यापी अध्ययन होगा। शोध और सर्वे में रुचि रखने वालों को ही इन पदों पर भर्ती मिलेगी। भारत सरकार और रिसर्च एजेंसियों से मिले प्रोजेक्ट में गहन अध्ययन, डेटा जुटाने और रिसर्च के लिए इन्हें रखा जा रहा है। जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ), सीनियर रिसर्च फेलो (एसएआरएफ), पीएचडी और बीटेक डिग्री धारक इन जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। वेतन 22 हजार से 50 हजार रुपये तक दिए जाएंगे।

मैटलर्जिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में पोस्ट डॉक्टोरल पर एक वैज्ञानिक की भर्ती होगी। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड प्रोजेक्ट पर ये शोधार्थी काम करेंगे। 50 हजार रुपये मासिक वेतन होगा। आवेदन की अंतिम तिथि एक जनवरी है। 35 साल की उम्र तक के शोधार्थी इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

केमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में 37 हजार रुपये के वेतन पर एक जूनियर रिसर्च फेलो की नियुक्ति होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 14 जनवरी है। गैस की मदद से ठोस कणों को तोड़ने वाले रिएक्टर यानी कि गैस सॉलिड रिएक्शन पर रिसर्च करेंगे। सिविल इंजीनियरिंग में एक जेआरएफ की भर्ती होगी। इन्हें 37 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा। कार्यकाल की अवधि तीन साल की होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 8 जनवरी है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग में ही तीन पद प्रोजेक्ट ऑफिसर वेतन (50 हजार), जेआरएफ वेतन (37 हजार) और प्रोजेक्ट असिस्टेंट (35 हजार) के पद पर भर्ती होगी।

इन पदोंपर आवेदन की आज अंतिम तिथि

आईआईटी बीएचयू में कई पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने की आज अंतिम तिथि है। माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग में जूनियर रिसर्च फेलो और प्रोजेक्ट असिस्टेंट की वैकेंसी है। जेआरएफ को 37 हजार और प्रोजेक्ट असिस्टेंट को 22 हजार रुपये हर महीने वेतन के तौर पर दिए जाएंगे। इनकी नियुक्ति दो साल के लिए होगी। संस्थान के स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में हेल्थ केयर वेस्ट और एआई आधारित 5जी स्पेक्ट्रम पर रिसर्च के लिए रिसर्च असिस्टेंट के पद पर भर्ती होनी है। जेआरएफ अभ्यर्थी को 25 हजार और सीनियर रिसर्च फेलो को हर महीने 28 हजार रुपये वेतन के तौर दिए जाएंगे। यूपी के निवासी ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में 37 हजार के मासिक वेतन पर जूनियर रिसर्च फेलो की भर्ती होगी।

ई–मेल आईडी पर भेजना है आवेदन

इन सभी पदों के आवेदन की प्रक्रिया एक जैसी है। आईआईटी बीएचयू की वेबसाइट पर अलग–अलग पदों के लिए नोटिफिकेशन के साथ आवेदन भी अपलोड कर दिया गया है। इसी नोटिफिकेशन के साथ ही ईमेल आईडी का भी लिंक दिया गया है। फॉर्म डाउनलोड करने के बाद प्रिंट आउट कराकर उसे भरें और उसकी सॉफ्ट कॉपी उसी मेल पर भेज दें। विभागों से आवेदनों को शॉर्टलिस्ट कर इंटरव्यू के लिए कॉल किया जाएगा।

# काशी में खुले में बेचे जा रहे मांस, महाकुंभ के दौरान उमड़ेगा जनसैलाब

वाराणसी। तमाम प्रयास के बाद भी खुले में मांस बिक्री पर नगर निगम प्रतिबंध नहीं लगा पा रहा है। हाल ही में मेयर अशोक कुमार तिवारी ने पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष पॉल को आदेश दिया था कि नगर निगम सीमा में कहीं भी खुले में मांस की बिक्री न होने पाए। बावजूद इसके मेयर का आदेश बेअसर साबित हो रहा है। पिछले दिनों सदन की ओर से प्रस्ताव पास किया गया था कि शहर में खुले में मांस की बिक्री न होने पाए। इसके लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा गया था। जिसके बाद नगर निगम ने अभियान चलाकर कई दुकानों को बंद कराया था। मांस कारोबारियों ने व्यापार का हवाला देकर हरा पर्दा लगाकर मांस की बिक्री करने के लिए हामी भरी थी। फिर से पुराने ढर्रे पर खुले में मांस बिक्री की जा रही है। महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं का आगमन जनवरी में शुरू हो जाएगा। ऐसे में सड़क किनारे खुले में मांस बेचने से उनकी आस्था प्रभावित होगी। पशु चिकित्साधिकारी ने कहा कि अभियान चलाकर हरा पर्दा लगवाया जा रहा है। शहर के सभी मांस कारोबारियों को हिदायत दी गई है।

## अधिवक्ताओं से मिले सम्मान से अभिभूत हूं

वाराणसी। अधिवक्ताओं से मिले सम्मान से अभिभूत हूं। हमारे 10 माह के कार्यकाल के दौरान पुलिस से अधिवक्ताओं का किसी बात को लेकर गतिरोध नहीं हुआ। अधिवक्ताओं ने हड़ताल नहीं की। इससे पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों और वादकारियों को बड़ी राहत मिली है। यह बातें पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सोमवार को सेंट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में आयोजित अधिवक्ता सम्मान और चार हजार अधिवक्ताओं की डायरेक्टरी के लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी अपराध रोकने में पुलिस से ज्यादा है। अधिवक्ताओं के पास मुवक्किल के रूप में अपराधी आते है। वह उन्हें अपराध के दुष्परिणाम बताकर अच्छे कार्य करने और समाज से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने सेंट्रल बार एसोसिएशन के गांधी सभागार को वातानुकूलित बनाए जाने पर उसका लोकार्पण करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में उन्हें शाल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुरलीधर सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सुरेंद्र नाथ पांडेय और रत्नेश्वर पांडेय ने किया। कार्यक्रम में बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह व महामंत्री कमलेश सिंह यादव, बनारस बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश तिवारी व महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंगलेश दूबे व महामंत्री राजेश गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाहनवाज खान के अलावा राम अवतार पाण्डेय, विजय शंकर रस्तोगी, अशोक सिंह दाढ़ी, शशिकांत राय चुन्ना सहित 50 अधिवक्ताओं और कार्यकारिणी से जुड़े पदाधिकारियों को शाल और मोमेंटो देकर पुलिस आयुक्त ने सम्मानित किया।

## चार मंजिला बिल्डिंग के पहले तल में इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में आग लगी

वाराणसी। सिगरा थाने के समीप चारमंजिला बिल्डिंग के प्रथम तल स्थित निजी इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में रविवार की देर रात आग लग गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने बिल्डिंग के दूसरी और तीसरी मंजिल स्थित होटल के कमरों से एक बच्ची सहित 23 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से ऑफिस के शीशे तोड़े गए। इसके बाद एक वाटर बाउजर और दो फायर टेंडर की मदद से लगभग ढाई घंटे की मशक्कत के बाद भोर में चार बजे आग पर काबू पाया गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई गई है। सिगरा थाने के समीप चार मंजिला बिल्डिंग के प्रथम तल स्थित इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को रात डेढ़ बजे मिली। सूचना पाकर दमकल कर्मियों के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत मौके पर पहुंचे। बिल्डिंग की पहली मंजिल में इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में जहां आग लगी थी, वहां बहुत ज्यादा धुआं भर गया था। इसलिए आग बुझाने में कठिनाई आ रही थी।

## पत्नी दुबई में करती है नौकरी, पति को शराब पिलाकर 60 लाख रुपये हड़पे

वाराणसी। आनंद नगर कॉलोनी, कंदवा की रहने वाले विजय कांत सिंह को शराब पिलाकर और शेयर ट्रेडिंग में तगड़े मुनाफे के फर्जी वीडियो दिखाकर उनसे 60 लाख रुपये हड़प लिए गए। घटना के संबंध में विजय कांत सिंह की पत्नी नीलम सिंह की तहरीर पर मंडुवाडीह थाने में सोमवार को तीन आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। नीलम सिंह ने पुलिस को बताया कि वह दुबई में नौकरी करती थीं। उनके पति विजय कांत सिंह आनंद नगर कॉलोनी स्थित घर में अकेले रहते थे। इसका फायदा उठाकर अन्नपूर्णा नगर कॉलोनी, सिगरा स्थित रेहान इंटरप्राइजेज के महादेव पी जाधव और महमूरगंज के दीपक कुमार मौर्य व शैलेश बहादुर सिंह उन्हें शराब पिलाने लगे। साथ ही शेयर ट्रेडिंग में तगड़े मुनाफे के फर्जी वीडियो दिखाकर निवेश के नाम पर 60 लाख रुपये ले लिए। इसके बदले में तीनों आरोपियों ने उनके पति को फर्जी पोस्ट डेटेड चेक दिए। जब उनके पति ने चेक बैंक में जमा किए तो वह बाउंस हो गए। अब दीपक, शैलेश बहादुर और महादेव पी जाधव कॉल ही नहीं रिसीव करते हैं। नीलम सिंह ने कहा कि जीवन भर की कमाई तीनों आरोपियों के द्वारा हड़पने के कारण उन्हें दुबई की नौकरी छोड़कर बनारस आना पड़ा।

## किराया वृद्धि के विरोध में व्यापारियों ने अपर नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

वाराणसी। व्यापारियों ने सोमवार को अपर नगर आयुक्त सविता यादव को किराया वृद्धि के विरोध में ज्ञापन सौंपा। मालवीय मार्केट व्यावसायिक संघ, शरणार्थी मार्केट, मालवीय मार्केट, नेहरू मार्केट, कृपलानी मार्केट एवं गुरु नानक मार्केट के व्यापारियों कहा कि की वृद्धि स्वीकार नहीं है। व्यापारियों का नेतृत्व कर रहे संघ के अध्यक्ष अभिषेक केसरी ने कहा कि 5 साल पर 12 से 30 फीसदी की वृद्धि और 20 साल पर 50 फीसदी की वृद्धि नगर निगम की ओर से की जाती है। इसके बावजूद 38 रुपये स्क्वायर फीट से नगर निगम की ओर से जो डीएम सर्किल रेट से किराया मांगा जा रहा है। जबकि मार्केट लगभग 60 साल पुरानी है। किराया हर 5 साल पर बढ़ता जा रहा है। इस तरह की वृद्धि का कोई औचित्य नहीं है। ज्ञापन देने वालों में गिरीश, लोची सिंह, शरद अरोड़ा, पवन, विनीत धवन, भोला बाबू, हिमांशु, सरदार, प्रेमजी, विनोद कुमार मंगलानी, किशोर कुमार, घनश्याम, सत्यम, अमित कुमार आदि शामिल रहे।

# महाकुंभ में दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों से आसान होगी यात्रियों की राह

वाराणसी। महाकुंभ को लेकर अनारक्षित रिंग रेल सेवा के तहत मौनी अमावस्या स्नान की अवधि 28, 29 व 30 जनवरी को छोड़ 10 जनवरी से 28 फरवरी तक 2 जोड़ी अनारक्षित विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। 04111 रिंग रेल कुंभ मेला विशेष स्पेशल प्रयागराज से सुबह 6 बजे खुलेगी और विभिन्न स्टेशनों से होते हुए सुबह 8.20 बजे बनारस, दोपहर 2.15 बजे अयोध्या धाम होते हुए शाम 6.50 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। वहीं, 04113 कुंभ मेला विशेष ट्रेन प्रयागराज शाम 5.30 बजे खुलेगी और 7.50 बजे बनारस पहुंचेगी। इसमें मेमू रेक के 12 कोच लगाए जाएंगे।

आईटीआई में आज अप्रेंटिसशिप मेला

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान करौंदी में मंगलवार को सुबह 10 बजे अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन होगा। इसमें राजकीय और निजी अधिष्ठान शामिल होंगे। मेले में लगभग 150 अप्रेंटिस की वैकेंसी है। आईटीआई में उत्तीर्ण विद्यार्थी अप्रेंटिस में शामिल हो सकते हैं। अभ्यर्थी apprenticeshipindia-org पर पंजीकरण कर अपनी प्रोफाइल बना सकते हैं। जो पंजीकरण नहीं करा पाए हैं, वह मंगलवार को ही संस्थान में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं और मेले में भाग ले सकते हैं।

14 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी

शीत लहर को देखते हुए स्कूलों में 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। बीएसए डॉ. अरविंद पाठक ने बताया कि 26 दिसंबर 2024 को प्रदेश सरकार द्वारा जारी पत्र में अवकाश तालिका में 31 दिसंबर से 14 जनवरी 2025 तक कक्षा एक से आठ तक परिषदीयध सहायता प्राप्तध्मान्यता प्राप्त स्कूलों शीतकालीन अवकाश निर्धारित है। वहीं बेसिक स्कूलों में सोमवार को छात्र–छात्राओं की उत्तर पुस्तिका जांच करने की प्रक्रिया पूरी हो गई। शीतकालीन अवकाश से पहले सभी अभिभावक और शिक्षकों के बीच मीटिंग की गई। बच्चों को ठंड से बचाने और पढ़ाई में व्यस्त रखने के निर्देश दिए गए।

आज पांच घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

लोक निर्माण विभाग की ओर से शहर में सड़क चौड़ीकरण के लिए बिजली के उपकरणों की शिफ्टिंग के लिए मंगलवार को शहर में कई जगहों पर बिजली आपूर्ति पांच घंटे बाधित रहेगी। अधीक्षण अभियंता नगरीय विद्युत वितरण मंडल प्रथम कार्यालय की ओर से इसकी सूचना जारी कर दी गई है। इसमें मंगलवार को डीपीएच और लोहता उपकेंद्र केंद्र के तहत पीएसी भुल्लनपुर, चुरामनपुर, मड़ौली, गोकुलनगर, पंचायत भवन, बजरंग नगर, भिटारी में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

## झगड़ा देखने घर से निकली युवती की जर्जर मकान का बारजा गिरने से मौत

वाराणसी। जैतपुरा थाना क्षेत्र के सरैया पक्केमहाल इलाके में एक जर्जर मकान के पहले मंजिल के बारजा की पटिया टूट कर नीचे गिर गई। हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि उसकी छोटी बहन घायल हो गई। सूचना पाकर पुलिस ने युवती का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। युवती की छोटी बहन को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरैया पक्केमहाल इलाके में बुनकर जाफर अली अपने परिवार के साथ रहते हैं। जाफर अली का मकान पुराना और जर्जर है। जाफर अली के मकान के समीप रविवार की रात कुछ युवक झगड़ा कर रहे थे। शोरशराबा सुनकर उनकी बेटी रेशमा बानो (18) और जिकरा (16) पहले मंजिल के बरामदे पर आकर खड़ी हुईं। उसी दौरान एक पटिया और मलबा के साथ गिर गई। दोनों को मंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने रेशमा को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि रेशमा छह बहनों और दो भाइयों में पांचवें नंबर की थी।

## बेलाताली ताल का होगा कायाकल्प,तालाब में चलेंगी सवारी नांव, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

हरदोई (यूएनएस)। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज बेलाताली तालाब का निरीक्षण किया और तालाब के कायाकल्प के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी टड़ियावां और ग्राम प्रधान को निर्देशित किया कि तालाब की मछलियों को निकालकर नीलामी करायी जाये, जो नीलामी समिति के माध्यम से की जाएगी। जिलाधिकारी ने तालाब के चारों ओर 10 फीट ऊंचे खंभों के साथ फेंसिंग कराने की बात की, ताकि तालाब की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, तालाब की सफाई करवाने और इंटरलॉकिंग कार्य की व्यवस्था करने की भी निर्देश दिए। तालाब के दो स्थानों पर सीढ़ियां बनवाने, पक्की बाउंड्री बनाने और बाउंड्री के बाद गार्ड की तैनाती करने का आदेश दिया गया। तालाब परिसर में दो लाइसेंसी नौकाओं की व्यवस्था और चार हाई मास्ट लाइटें लगाने की योजना बनाई गई है। जिलाधिकारी ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बैठने के लिए बेंच की पर्याप्त व्यवस्था की जाए और चारों ओर एक पाथवे तैयार किया जाए, जिससे तालाब के आसपास आने जाने में सुविधा हो। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, उप जिलाधिकारी सदर सुशील मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, बीडीओ टड़ियावां सुभाष चन्द्र और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए इस प्रोजेक्ट की सफलता के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

## काशी में तलाशे गए 15 हजार से अधिक गरीब, बढ़ाई जाएगी इनकी आय

वाराणसी। जीरो पॉवर्टी अभियान के सर्वेक्षण में काशी में अब तक करीब 15 हजार गरीब तलाशे जा चुके हैं। इस योजना में ऐसे गरीब परिवार चिह्नित किए गए हैं, जो सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। अब उन्हें सभी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। ताकि उनके जीवन के स्तर को उठाया जा सके। इसके साथ ही कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर फंड) की सहायता से उनके जीवन को बेहतर बनाया जाएगा। डीपीआरओ आदर्श कुमार ने बताया कि इसका उद्देश्य दो अक्तूबर 2025 तक उत्तर प्रदेश को अत्यधिक गरीबी से मुक्त करना है। प्रत्येक गांव से ऐसे 25 गरीबों को चयनित किया जाएगा जिनके पास न रहने के लिए घर है न आमदनी के लिए रोजगार। ऐसे परिवारों की एक निश्चित मासिक आय हो सके, इसके लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे। गरीबों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत घर, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और जीवन यापन के लिए जरूरी सहायता देना है। बताया कि लक्ष्य के सापेक्ष लगभग सर्वे पूरा कर लिया गया है। गरीब परिवारों को खाद्य एवं रसद विभाग, ग्रामीण आवास, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रम, मनरेगा, महिला एवं बाल विकास, महिला कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति–जनजाति, कृषि विभाग, राज्य आजीविका मिशन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, कौशल विकास मंत्रालय की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

## एकेडमिक काउंसिल ने लिए कई फैसले, इतने रुपये कम हुई फीस

वाराणसी। बीएचयू में नए एकेडमिक सत्र से पीजी कोर्स में फीस के दरों में बदलाव किया जाएगा। नई फीस व्यवस्था का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। अंतिम मुहर लगनी बाकी है। इसके तहत अब बीएचयू में धर्म विज्ञान की पढ़ाई पहले से सस्ती होगी। प्रति सेमेस्टर 115 रुपये कम फीस जमा करना होगा। हर छह महीने में 1000–1000 रुपये देने होंगे। इसमें एकेडमिक और डेवलपमेंट फीस 500–500 रुपये ली जाएगी। दो साल तक आचार्य करने के दौरान छात्र और छात्राओं को कुल 4462 रुपये जमा करने होते हैं। लेकिन नई व्यवस्था में 4000 रुपये ही जमा करने होंगे। यानी कि कुल 462 रुपये की बचत होगी। कॉमर्स में तीन रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा मेडिकल समेत सभी संकायों की फीस में बढ़ोतरी की गई है। 26 दिसंबर को एकेडमिक काउंसिल में बैठक के बाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। अब अगली एकेडमिक काउंसिल में इस नई व्यवस्था पर सहमति बन सकती है।

कला संकाय में प्रति सेमेस्टर 160 रुपये की बढ़ोतरी

कला संकाय में पढ़ाए जाने वाले 22 पीजी कोर्स की फीस प्रति सेमेस्टर में 160 रुपये की बढ़ोतरी होगी। मंच कला संकाय में भी 160 रुपये, सामाजिक विज्ञान संकाय में 154 रुपये, दृश्य कला संकाय में 60 रुपये, पर्यावरण संस्थान में 65 रुपये और एमबीए में करीब 6000 रुपये और मेडिकल साइंस में करीब 14 हजार रुपये तक फीस बढ़ाई गई है। वहीं, कॉमर्स फैकल्टी में महज तीन रुपये प्रति सेमेस्टर फीस बढ़ाई गई है।

एमएमवी की छात्राओं ने देखी केमिस्ट्री और फिजिक्स लैब

बीएचयू के महिला महाविद्यालय (एमएमवी) की छात्राओं को तीन दिन तक टेक्नोलॉजी पर ट्रेनिंग दी जाएगी। सोमवार को बीएचयू कैंपस के सेंट्रल डिस्कवरी सेंटर में ले जाकर केमिस्ट्री और फिजिक्स लैब की अत्याधुनिक मशीनों की कार्यप्रणाली बताई गई। यहां पर छात्राओं ने शुद्धता जांच करने वाली मशीनों के बारे में जाना। प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने कहा कि सीडीसी में कई अत्याधुनिक मशीनें हैं जो छात्र–छात्राओं की विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाएंगी। इससे पहले महिला महाविद्यालय में स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तकनीक पर कार्यशाला हुई।

## कमिश्नर ने की विकास कार्यों की समीक्षा,विभागीय कार्यों में रुचि न लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

गोण्डा (यूएनएस)। मण्डलायुक्त सभागार में आयुक्त देवीपाटन शशि भूषण लाल सुशील द्वारा मंडल में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। नवम्बर माह में मंडल में कराए गए विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक के दौरान आयुक्त ने सभी डीएम को जिले स्तर पर विकास कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम द्वारा बताया कि जिन अधिकारियों के पास दो या तीन जिलों का अतिरिक्त प्रभार है। वह अक्सर बैठकों में उपस्थित नहीं होते हैं। इस पर आयुक्त ने निर्देश दिए कि समीक्षा बैठक में सभी अधिकारी नियमित रूप से उपस्थित हो यदि किसी अधिकारी द्वारा बिना स्वीकृति के अनुपस्थित होते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी डीएम को निर्देश दिए कि ऐसे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जाए। साथ ही मंडल स्तर पर भी अवगत कराया जाए। बैठक में बलरामपुर के जिलाधिकारी ने बताया कि बलरामपुर के पर्यटन सूचना अधिकारी मनीष श्रीवास्तव अक्सर बैठकों में गायब रहते हैं। इस पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्पष्टीकरण संतोषजनक न पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। आयुक्त ने टीबी मुक्त भारत अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए। प्रत्येक व्यक्ति को इसके प्रति सचेत किया जाए। टीबी से ग्रसित व्यक्तियों के पहचान कर उनका समुचित उपचार कर उन्हें मुख्य धारा में वापस लाया जाए। उन्हें हर संभव मदद प्रदान की जाए, ।टीबी रोग से पूरे प्रदेश को मुक्त किया जाए। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों के नामांकन बढ़ाने तथा उन्हें बेहतर से बेहतर शिक्षा प्रदान कराए जाने को लेकर की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में बच्चे कम उपस्थित होते हैं। वहां के शिक्षक को अच्छी ट्रेनिंग दी जाए साथ ही अभिभावकों से अनुरोध कर बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय का रोस्टर के अनुसार निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां पाए जाए उसको दूर कराया जाए।

## हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष का शव यात्रा निकालकर किया पुतला दहन

हरदोई (यूएनएस)। कोतवाली क्षेत्र स्थित बेनीगंज प्रताप नगर चौराहा पर सोमवार को ब्राह्मण समाज, भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए शव यात्रा निकाली। वहीं पुतला दहन कर आक्रोश जताया। यह विरोध प्रदर्शन सपा के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व जिलाध्यक्ष जीतू वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में किया गया। सपा नेता जीतू वर्मा की टिप्पणी को लेकर ब्राह्मण समाज, भाजपा और अन्य हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश है। सोमवार को आयोजित इस प्रदर्शन में हिंदू जागरण मंच और वीएचपी के कार्यकर्ताओं ने शव यात्रा निकाली और जीतू वर्मा का पुतला जलाया। उनका कहना था कि इस प्रकार की टिप्पणियों से ब्राह्मण समाज और सनातन धर्म का अपमान हुआ है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भाजपा के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष बेनीगंज, रोहित वैश्य ने इस घटना पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मांग की कि वे जीतू वर्मा जैसे कार्यकर्ता को तत्काल पार्टी से बाहर निकालें। वैश्य ने कहा कि जो व्यक्ति ब्राह्मण समाज और सनातन धर्म का सम्मान नहीं कर सकता, वह पार्टी में नहीं रह सकता। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच अवध प्रांत के संपर्क प्रमुख आशुतोष तिवारी ने भी जीतू वर्मा की कड़ी निंदा की। कहा कि ब्राह्मण समाज इस तरह की टिप्पणी को कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगा।

## यूपी बोर्ड प्रायोगिक परीक्षा में एप से मिलेंगे नंबर, होगी वीडियो रिकॉर्डिंग

वाराणसी। यूपी बोर्ड प्रायोगिक परीक्षा पर शासन की ओर से नकेल कसने की तैयारी शुरू हो गई है। अब नंबरों की सेटिंग नहीं हो सकेगी। परीक्षकों को केंद्र से ही एप पर छात्र के नंबर चढ़ाने होंगे। साथ ही परीक्षा के दौरान वायवा लेते हुए परीक्षकों की वीडियो रिकॉर्डिंग भी होगी। दूसरे चरण में वाराणसी मंडल में परीक्षाएं होंगी, जो 1 से 8 फरवरी तक चलेंगी। प्रायोगिक परीक्षा में पारदर्शिता लाने के लिए एप जारी किया गया है। परीक्षक इस एप के माध्यम से कॉलेज से ही छात्रों को प्रायोगिक परीक्षा अंक देंगे। परिषद इन अंकों को फाइनल रिजल्ट में जोड़ता है। कॉलेज प्रबंधन प्रायोगिक परीक्षा में छात्रों को अच्छे अंक दिलाने के लिए कदम उठाता रहा है। इसमें अच्छे नंबर मिलने से बच्चों को पास होने में मदद मिलती है। पहले कई केंद्रों पर परीक्षक बिना आए ही विद्यार्थियों को नंबर दे देते थे। अब परीक्षकों को परीक्षा केंद्र से ही एप के पोर्टल पर अंक देने होंगे। परीक्षकों को एप पर ही ऑनलाइन पासवर्ड मिलेगा। डीआईओएस अवध किशोर सिंह ने बताया कि परीक्षा को लेकर बोर्ड कई नियम बना रहा है। सभी नियमों का पालन किया जाएगा। परीक्षा के दौरान प्रधानाचार्य की निगरानी में परीक्षकों की वायवा लेते हुए वीडियो रिकार्डिंग भी होगी। साथ ही प्रधानाचार्य वीडियो रिकार्डिंग को यूपी बोर्ड भी भेजेंगे। इससे परीक्षकों के केंद्र पर आने, न आने का भी पता चलेगा। इससे बोर्ड परीक्षा की गतिविधियों पर नजर भी रखेगा।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक



## सावित्री फुले बाई की जयंती मनाई

प्रयागराज। झूंसी स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सावित्री बाई फुले जी की जयंती के अवसर पर गोष्ठी एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ता के रूप में डॉ. आशा मिश्रा, डॉ.

यशार्थ मंजुल एवं डॉ. सुरभि विप्लव ने सावित्री बाई फुले के विषय में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज के अकादमिक निदेशक प्रोफेसर दिगंबर मा. तंगलवाड़ ने सावित्री बाई फुले को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले और ज्योतिराव फुले ने अपना जीवन सामाजिक सुधार के लिए समर्पित किया। दलित महिलाओं को उनके मानवाधिकार दिलाने वाली सावित्री बाई व्यावहारिक नारीवादी थी। विधवा का विवाह करना, केशवपन की समस्घ्या का हल करना इसके अलावा सावित्री बाई ने छुआ–छूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी और शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से निचली जातियों के उत्थान की दिशा में काम किया। सावित्रीबाई फुले को क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले के नाम से जाना जाता था। सावित्रीबाई फुले को अगर समझना है तो उनके त्याग को समझना पड़ेगा। डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. यशार्थ मंजुल, डॉ. सत्घ्यवीर, डॉ. विजया सिंह, डॉ. सुरभि विप्लव, जयेंद्र कुमार जायसवाल, सुभाष श्रीवास्तव, राहुल त्रिपाठी, रश्मि, प्रत्यूष शुक्ल, देवमूर्ति द्विवेदी, गीता देवी, जगजीवन राम प्रजापति, बिरजू प्रसाद, रोहित कुमार, अभिषेक चंद्रा, पीतांबर गौतम, राकेश कुमार, अनूप शर्मा उपस्थित रहे।

## गृहकर विभाग व जलकल विभाग ने वसूली की।



प्रयागराज। जोनल कार्यालय जोन चार भरद्वाज पुरम में आठ भवनों स्वामियों पर प्रस्तावित कुर्की के दौरान गृहकर की बकाया धनराशि 962764–00 व जलकर की बकाया धनराशि 100000.00 कुल धनराशि 10,62,764–00 कैश व चेक के माध्यम से वसूल की गई।

## ''ब्रह्मताल शीतकालीन ट्रैकिंग अभियान'' - 2024 में उत्तर प्रदेश से आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (रेलवे) का दल हुआ शामिल ।

लोहा जंगस'यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया" के तत्वाधान में ''ब्रह्मताल शीतकालीन ट्रैकिंग अभियान''– 2024 का आयोजन लोहाजंग उत्तराखंड में किया गया। इस 9 दिवसीय ट्रैकिंग कार्यक्रम में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के 10 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने ट्रैकिंग दल को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन रेल कर्मियों के शारीरिक फिटनेस में सुधार, विषम परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, आपसी सामंजस्य की भावना एवं मिलजुल कर कार्य करने की शैली विकसित करते हैं। पर्यावरण संरक्षण को प्रेरणा देने वाले ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की दृष्टि में भी महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि लोगों को विभिन्न संस्कृति एवं सामाजिक रीति रिवाजों से परिचित होने का आधार मिलता है। आरेडिका खेल कूद संघ के सहयोग से उत्तराखण्ड में पड़ने वाले ब्रह्मताल ट्रैकिंग में आरेडिका के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश से 23 दिसंबर को रायबरेली से चलकर 24 दिसंबर 2024 को लोहाजंग में रिपोर्टिंग की तथा 29 दिसम्बर को लोहागंज वापस आये। इस दल का नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण अनुभवी ट्रैकर एवं आरेडिका के सीनियर सेक्शन इंजीनियर अमिय श्रीवास्तव ने किया। आरेडिका से गये समस्त 10 प्रतिभागियों ने कैंप में उपस्थित कैंप लीडर व उनके समस्त सहयोगियों के साथ मिलकर सामाजिक कार्य एवं पर्यावरण जागरूकता हेतु ट्रैकिंग अभियान के दौरान आस–पास के क्षेत्र को साफ करने का फैसला किया। सदस्यों ने कुल 37 किलोमीटर ट्रैक किया तथा 14000 फीट की ऊँचाई तक पहुँचे। इस ट्रैक में शामिल सदस्यों ने 24 घंटे लगातार भारी हिमपात में बिताकर तथा चलकर अपने ट्रैक को पूर्ण किया। इस ट्रैकिंग दल में प्रमुख रूप से प्रथम बार शामिल हुए अविनाश कुमार उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर ने सभी सदस्यों का मनोबल बनाए रखा। अन्य सदस्यों में त्रिलोचन अन्थवाल उप मुख्य सतर्कता अधिकारी, अनिल श्रीवास्तव जन संपर्क अधिकारी, राजीव रंजन सीनियर सेक्शन इंजीनियर, रोहित कुमार वरिष्ठ टेक्नीशियन, आदर्श कुमार आशुलिपिक, गौतम सागर आशुलिपिक, संगम यादव आशुलिपिक, आनंद प्रकाश सीनियर क्लर्क ने प्रतिनिधित्व किया। आरेडिका के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आर. एन. तिवारी, शान–ए–अवध इकाई के चौयरमैन एस.एन. लाल एवं इकाई सचिव पंकज श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को सफल ट्रेकिंग अभियान के लिए बधाई दीस

## चंदन गुप्ता हत्याकांड में एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला, 28 आरोपियों को उम्रकैद

लखनऊ, संवाददाता। साल 2018 में 26 जनवरी को कासगंज जिले में चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या तिरंगा यात्रा के दौरान की गई थी। जिसके बाद दंगा भड़क गया था। इस मामले में शुक्रवार को एनआईए कोर्ट ने हत्याकांड में 28 आरोपियों को दोषी मानते हुये उम्रकैद की सजा सुनाई है। दरअसल, एनआईए कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में सुनवाई करते हुये हत्याकांड में 28 आरोपियों को दोषी मानते हुये फैसला सुरक्षित रखा था, जबकि 2 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था। आज सभी 28 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुना दी गई है। करीब सात साल पहले हुये इस हत्याकांड में मृतक चंदन के पिता ने कासगंज थाने में 20 नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसका फैसला आज आ गया है। 28 आरोपियों को दोषी मानते हुये कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। साल 2018 में 26 जनवरी को शहर में कुछ युवा उत्सव मना रहे थे। इस दौरान मोटर साइकिल से उन्होंने तिरंगा यात्रा निकाली थी और वंदेमातरम व भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे, लेकिन उनका यह उत्सव कुछ उपद्रवी तत्वों को पसंद नहीं आया।

# एनसीआरः कलर- कोडेड यात्री आश्रय








प्रयागराज। आगामी महाकुम्भ में प्रमुख स्नान पर्व जैसे पौष पूर्णिमा (13 जनवरी 2025), मकर संक्रांति (14 जनवरी 2025), मौनी अमावस्या (29 जनवरी 2025), बसंत पंचमी (03 फरवरी 2025), माधी पूर्णिमा (12 फरवरी 2025), और महाशिवरात्रि (26 फरवरी 2025) पर संगम तट पर करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति की संभावना है। रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए न केवल यात्री सुविधाओं में विस्तार किया है। बल्कि इसे जन–जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार भी किया जा रहा है।

प्रयागराज जंक्शन पर कलर कोडिंग व्यवस्था

महाकुम्भ–2025 में यात्रा को सुगम बनाने के लिए प्रयागराज जंक्शन पर कलर कोडिंग आधारित यात्री आश्रय बनाए गए हैंरू

द लाल आश्रय (गेट 1)रू लखनऊ और वाराणसी की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

द नीला आश्रय (गेट 2)रू पंडित दीनदयाल उपाध्याय (मुगलसराय) की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

द पीला आश्रय(गेट 3)रू मानिकपुर, सतना और झांसी की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

द हरा आश्रय (गेट 4)रू कानपुर की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

द सभी दिशाओं के आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के लिए अलग आश्रय स्थल की व्यवस्था रहेगी।

नैनी जं. पर कलर कोडिंग व्यवस्था

हरा आश्रय (गेट 1) – कानपुर की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

नीला आश्रय (गेट 1) – मानिकपुर–झाँसी की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

लाल आश्रय (गेट 1)– मानिकपुर–सतना की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

पीला आश्रय (गेट 3 व 4) – मुगलसराय की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

प्रयागराज छिवकी पर कलर कोडिंग व्यवस्था

द लाल आश्रय(गेट 1ए) – मानिकपुर,सतना,झाँसी की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए

हरा आश्रय (गेट 1बी) –मुगलसराय की ओर यात्रा करने वाले यात्रीयों के लिए सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर 2 यात्री आश्रयों का निर्माण किया गया है। प्रयागराज में भारतीय रेलवे द्वारा किए गए इन विशेष प्रयासों से न केवल यात्रियों की यात्रा को आसान और आरामदायक बनाया गया है, बल्कि यह सुनिश्चित किया गया है कि मुख्य स्नान दिवसों पर श्रद्धालु अपने गंतव्य तक सुरक्षित और समय पर पहुँच सकें।

# रासायनिक एवं परमाणु आपदाओं से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम।

प्रयागराज। रासायनिक एवं परमाणु आपदाओं जैसी संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए मेला प्राधिकरण, पुलिस प्रशासन एवं चिकित्साधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। महाकुंभ 2025 के विशाल आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के संयुक्त प्रयास से प्रयागराज में परमाणु दुर्घटना से बचाव एवं सुरक्षा जैसे संवेदनशील तथा महत्वपूर्ण विषय "Integrated Mission for Preparedness and Awareness&Cum&Training (IMPACT) वित त्कपवसवहपबंस ंदक छनबसमंत म्उमतहमदबल" पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 03 जनवरी 2025 को पुलिस लाइन, संकल्प पंडाल हॉल, मेला ग्राउन्ड, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेडियोलॉजिकल, न्यूक्लियर और रासायनिक (ब्ठत्छ) आपदाओं से निपटने की तैयारी को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों, रासायनिक आपदाओं का त्वरित आकलन, प्रभावितों का सुरक्षित बचाव और स्वास्थ्य सहायता प्रबंधन पर जोर दिया गया तथा विभिन्न आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन भी किया गया। डॉ. अरुण कुमार नायक अध्यक्ष, सीएमजी, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार ने बताया कि परमाणु ऊर्जा विभाग, देश में छनबसमंत ंदक त्कपवसवहपबंस म्उमतहमदबल के लिए देश में नोडल एजेंसी है। साथ ही यह इसके संबंध में सभी स्टेक होल्डरों को समय–समय पर तकनीकी सहायता, क्षमता संवर्धन जानकारी एवं जागरूकता देते रहते हैं।

## यात्रियों की सेवा एवं सुरक्षा के लिए रेलवे की तैयारीयों से अवगत कराया।

प्रयागराज। आगामी महाकुम्भ–2025 की सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को देखने के लिए महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे अमिय नन्दन सिन्हा ने प्रयागराज जंक्शन का निरीक्षण किया गया। महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल ने प्रयागराज स्टेशन पर बने सभी यात्री आश्रय, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफार्म, सिटी साइड व सिविल लाइन साइड से क्रमशः यात्रियों के प्रवेश व निकास इत्यादि की व्यवस्थाओं को गहनता से निरीक्षण किया गया । स्टेशन पर सभी प्रवेश द्वारों सुरक्षा व्यवस्था हेतु डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, हैण्ड हेंड मेटल डिटेक्टर, वैगेज स्कैनर व डॉग स्क्वाड के माध्यम से सघन चेकिंग कराने हेतु दिशा–निर्देशित किया ताकि इस महा आयोजन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना एवं अनाधिकृत व्ययक्तियों का स्टेशन पर प्रवेश न कर सके। प्रयागराज स्टेशन पर



रेलवे सुरक्षा बल के कोरस कमाण्डो की एक कम्पनी को भी विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था व किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात किया गया है। महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल ने स्टेशन के इन्टरनल व एक्सटरनल मूवमेन्ट प्लान का भी जायजा लिया तथा महाकुम्भ–2025 के स्नान पर्वों पर भीड़ के दौरान स्टेशन के इन्टरनल व एक्सटरनल मूवमेन्ट प्लान को सही से लागू करने हेतु दिशा–निर्देश दिये । निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल, श्री विजय प्रकाश पंडित एवं रेलवे सुरक्षा बल के अन्य अधिकारियों व निरीक्षकों को महाकुम्भ–2025 के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिये गये । सुरक्षा के मद्देनजर रेल द्वारा आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ–साथ रेलवे स्टेशनों व रेलवे ट्रैक की सुरक्षा हेतु रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारिया की गयी है। प्रयागराज जंक्शन पर लगभग 1100 बल सदस्यों को महाकुम्भ–2025 में सर्तकता व पूर्ण मुश्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ–साथ मेले में आये सभी श्रद्धालुओं के साथ मधुर व्यवहार एवं सेवा भाव से सहायता करने हेतु दिशा–निर्देशित किया।

# 'भाषा प्रहरी सम्मान' से हिंदी सेवी हुए सम्मानित'

## 'साहित्य साधक मंच के कार्यक्रम में श्रोता हुए मंत्रमुग्ध'

'बेंगलुरू (शहर समता–डेस्क)। बेंगलुरु की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 209 वां मासिक सारस्वत कार्यक्रम राजस्थान के वरिष्ठ साहित्यकार श्री गोप कुमार मिश्रा की अध्यक्षता एवं इन्दौर के गीतकार श्री रत्न दीप खरे के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली की प्रसिद्ध कवयित्री रजनी गोयल जी ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्मा श्रीनिवासन वसुधा जी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से हुआ तत्पश्चात लेफ्ट डॉ एम गीता श्री, डायरेक्टर ऐकडेमिक,बी एम एस महिला महाविद्यालय, डॉ किरण बी कामाजी, सहायक प्राध्यापक, न्यू होरिजन महाविद्यालय एवं डॉ क्षितिजा, सहायक प्राध्यापक एम एल ए अकादमी ऑफ हायर लर्निंग मल्लेस्वरम, बेंगलुरु को हिंदी के विकास एवं संरक्षण के क्षेत्र में किये गए उनके अमूल्य योगदान हेतु ष्भाषा प्रहरी सम्मानष से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें सर्व श्री गोप कुमार मिश्रा, रत्न दीप खरे, रजनीश गोयल, डॉ राम गोपाल भारतीय, प्रतीक्षा तिवारी, दीपक पांडेय, सुधा अहलूवालिया, उदय प्रताप सिंह, डा मंजू गुप्ता, उषा गुप्ता,



लोकेश कुमार मिश्रा, रचना उनियाल, डा कविता पनिया, राधेश्याम यादव सुदर्शन, गीता चौबे गूंज, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, मृदुला सिंह चौहान, नारायण सिंह, अरुणा राणा, विनीता लवानिया, प्रवल प्रताप सिंह राणा, सुशील कुमार, चिदम्बर जोशी, सुधा दीक्षित, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, राही राज, प्रीति राही, स्वेतलीना पांडा, बापूगौड़ा पाटिल, ईश्वर चंद्र मिश्र, सुरेंदर कोहली सूरी, पूनम एस बेलानी, अंजू भारती, स्वीटी सिंघल, टी आर वरदराजन, मोहम्मद फजल, वसीम झिनझिनावी, पद्मा श्रीनिवासन, रघुबीर अग्रवाल और ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर १२ वर्षीय अनुकांश तिवारी को उसके प्रथम पुस्तक के प्रकाशन पर पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोता गण एवं काव्य प्रेमी उपस्थित थे। सञ्चालन मंच के अध्यक्ष ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने किया। ज्ञानचंद मर्मज्ञ (9845320295) ने बताया कि वे 19 वर्ष से निरन्तर इस कार्यक्रम को आयोजित कर रहे हैं और बेंगलुरु पधारने वाले सभी साहित्यकारों को सादर आमंत्रित करते हैं, शहर समता टीम ने भी इस उत्कृष्ट आयोजन की बधाइयाँ प्रेषित की हैं।

## चौक में भी अब पब्लिक टॉयलेट, महापौर ने शहर में चार शौचालय का किया उद्घाटन

प्रयागराज, । दिव्य, भव्य और स्वच्छ महाकुंभ–2025 की परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए प्रयागराज नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। शहर को नया रूप देने के साथ ही रात–दिन सफाई अभियान जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार 2 जनवरी को महापौर श्री गणेश केसरवानी जी ने चार नए शौचालयों का उद्घाटन किया है। इसमें लूकरगंज, चौक, बलुआघाट और कटरा क्षेत्र शामिल है। इसका सबसे बड़ा फायदा चौक क्षेत्र में लोगों को मिलेगा, जो लंबे समय से पब्लिक टॉयलेट की मांग कर रहे थे। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लूकरगंज के वार्ड–28 में मछली मंडी, चौक के वार्ड–95 में केसर विद्यापीठ के पास, बलुआघाट में सत्तीचौरा और कटरा में पानी की टंकी के पास नए शौचालय बनाए गए हैं।

उद्घाटन समारोह में पार्षद श्रीमती सुनीता दरबारी, पार्षद श्री नेम यादव, पार्षद श्री विद्या द्विवेदी, पार्षद श्रीमती सोनिया अग्रवाल सहित नगर निगम के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। फिलहाल शहर भर में 226 कम्युनिटी पब्लिक टॉयलेट हैं। इनमें से 84 टॉयलेट्स की देखरेख की जिम्मेदारी नगर निगम ने प्राइवेट एजेंसियों को दी है। जबकि 42 कम्युनिटी–पब्लिक टॉयलेट के रखरखाव और साफ–सफाई का जिम्मा डूडा के हवाले है। महापौर श्री गणेश केसरवानी ने बताया कि सभी शौचालयों की सफाई के लिए अतिरिक्त मजदूर लगाए गए हैं। इसके साथ ही पुराने शौचालयों की मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। कई स्थानों पर शौचालयों की दीवारों पर पेंटिंग कराकर उन्हें स्वच्छ और सुंदर रूप दिया गया है। महाकुम्भ के मद्देनजर स्पेशल टॉयलेट भी बनवाए गए हैं। महाकुम्भ के दौरान शहर भर के मुख्य मार्गों किनारे 96 मोबाइल टॉयलेट लगाए जाएंगे।

# जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी जनवरी माह की नव वर्ष और मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि छाया त्रिवेदी,विशिष्ट अतिथि अर्चना मलैया डा. राजलक्ष्मी शिवहरे विशिष्ट अतिथि चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनीता दुबे द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। कृष्णा राजपूत, जय श्रीकांत ,मंजूषा किंजवडकर, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, गायत्री चौबेअर्चना द्विवेदी, रश्मि पांडे, आरती शर्मा, कृष्णा राजपूत, रेखा चौधरी ,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, आरती श्रीवास्तव डा. कुमकुम शुक्ला ,शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु ने किया।

## बीजेपी सरकार में हर विभाग में हो रहे घोटाले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री और अपना दल के नेता आशीष पटेल और सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। पल्लवी पटेल ने आशीष पटेल पर लेक्चरर्स के प्रमोशन में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। बता दें कि बीते दिनों मामले की जांच और मंत्री पर एक्शन की मांग को लेकर वह विधानसभा के बाहर धरने पर भी बैठी थीं। वहीं, इन सबके बीच आशीष पटेल ने बीते दिन यानी गुरूवार को पल्लवी पटेल पर निशाना साधते हुए उन्हें धरना मास्टर करार दिया था। जिसपर सिराथू विधायक ने मंत्री पर पलटवार करते हुए अपनी भड़ास निकाली। पल्लवी ने कहा आशीष पटेल ने निर्लजता की पराकाष्ठा पार कर दी। पिता की तस्वीर के नीचे बैठकर उन्हीं की बेटी की बेइज्जती कर रहे हैं। अपना दल की नेता पल्लवी पटेल ने आगे कहा कि मैंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की है और इस घोटाले के बारे में विस्तार से बताया है। मुझे लगता है न्याय जरूर मिलेगा। वहीं, आशीष पटेल के धरना मास्टर बोलने पर पल्लवी ने कहा कि जिन लोगों को मुफ्त में बड़े पद मिल जाते हैं, उन्हें धरने उपहास ही लगते हैं। वहीं आशीष पटेल के यूपी एसटीएफ द्वारा उन्हें टारगेट करने के आरोप पर पल्लवी ने कहा कि एसटीएफ सरकार का एक बहुत महत्वपूर्ण अंग है, एसटीएफ से हर अपराधी को डरना चाहिए।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062